



प्रतटि युगरे अवस्था

प्रतटि युगरे अवस्था अनुसारे यथाक्रमे –

1. वदैकि मन्त्र

2. तन्त्र

3. भषेज एवं रसायन

4. यन्त्र

1. सत्य युग = यज्ञे ओ वदैकि मन्त्रप्रधान युग

यज्ञे ओ वदैकि मन्त्र= 55% (approx)

तन्त्र = 05% (approx)

भषेज एवं रसायनकि= 25% (approx)

यन्त्र = 15% (approx)

2. ततो युग = तन्त्रप्रधान युग

यज्ञे ओ वदैकि मन्त्र= 15% (approx)

तन्त्र = 55% (approx)

भषेज एवं रसायनकि= 15% (approx)

यन्त्र= 15% (approx)

3. द्वापर युग = भषेज एवं रसायनकि प्रधान युग

যজ্ঞ ও বৈদিক মন্ত্র=10% (approx)

তন্ত্র = 20% (approx)

ভেষজ এবং রাসায়নিক=55% (approx)

যন্ত্র= 15% (approx)

4. কলি যুগ =যন্ত্র প্রধান যুগ= যান্ত্রিক যুগ

যজ্ঞ ও বৈদিক মন্ত্র=01% (approx)

তন্ত্র = 04% (approx)

ভেষজ এবং রাসায়নিক=40% (approx)

যন্ত্র=55% (approx)

সত্যযুগকে যজ্ঞ ও বৈদিক মন্ত্রের প্রভাব মানুষ জীবনে বেশি থাকে। অর্থাৎ সত্যযুগে মানুষের জীবন যাপনের যে কোনো কাজে বৈদিক মন্ত্র ও যজ্ঞের উপযোগিতা বেশি ছিল। তমেন ততো যুগে তন্ত্রের মাধ্যমে বেশি কার্য সম্পন্ন হত। দ্বাপর যুগে ভেষজ ও রাসায়নিক এর প্রভাব বেশি ছিল। কলি যুগে যান্ত্রিক প্রভাব বেশি থাকায় কলি যুগকে যান্ত্রিক যুগ বলা হয়। তাই প্রতি সত্য, ততো, দ্বাপর, কলি যুগে বার বার এই নিয়ম অনুসারে প্রভাবিত হয়।

